एक नजर में

सेवासदन महाविद्यालय के बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

बुरहानपुर। सेवासदन महाविद्यालय के बी.एस.सी. (प्लेन एवं कम्प्यूटर साइंस) तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। बी.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस) में कु. आर्या राजपूत ने 8.25 सीजीपीए अंकों के साथ महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कु. चारू शाह ने 8.20 सीजीपीए अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा कु. प्रेरणा भोईटे ने 8.17 सीजीपीए अंक अर्जित कर तृतीय स्थान पर रही। साथ ही बी.एस.सी. (प्लेन) में कु. उर्वषी चौहान ने 7.58 सीजीपीए अंक प्राप्त कर महाविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय स्थान पर विनोद रोहिदास ने 7.57 सीजीपीए अंक प्राप्त किये तथा अभिषेक गोलक ने 6.77 सीजीपीए अंको के साथ तृतीय स्थान अर्जित कर महाविद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। सेवासदन शिक्षा समिति अध्यक्ष श्रीमती तारिका वीरेन्द्रसिंह ठाकुर ने छात्र-छात्राओं की इस उत्कृष्ट सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये कहा कि इस उत्कृष्ट सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कडी मेहनत एवं गुरूजनों के मार्गदर्षन एवं षिक्षा समिति द्वारा विद्यार्थियों को दी गई अध्ययन सुविधा को जाता है। समिति सचिव श्री हसमुखलाल जरीवाला, प्राचार्य डॉ. एस.एम. शकील, विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द दुबे, डॉ हर्षद दीक्षित, प्रो. शषिकांत दुबे, प्रो. सुजित पटेल, प्रो. अर्पिता गढे, प्रो. मयंक ठाकुर, प्रो. योगिता महाजन, प्रो. विष्णु भारद्वाज एवम महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुये हर्ष व्यक्त किया।

मुख्य वनसंरक्षक का नेपानगर दौरा, विभाग की नर्सरियों का किया निरीक्षण

नेपानगर। खंडवा मुख्य वनसंरक्षक बासु कनौजिया ने शुक्रवार को नेपानगर वन क्षेत्र का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डीएफओ बुरहानपुर विद्याभूषण सिंह, एसडीओ नेपानगर विक्रम सुलिया रेंजर अभिजीत स्वामी सहित अन्य वन अफसरों के साथ सीवल नर्सरी, नेपानगर नर्सरी का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण में पौधों की वृद्धि, खाद प्रबंधन, देखरेख व्यवस्था की समीक्षा की गई। मुख्य वनसंरक्षक खंडवा ने वर्ष 2026 के रोपण के लिए अंजन, सागौन, मिश्रित प्रजातियों की पौध तैयारी का जायजा लेकर आवश्यक दिशा, निर्देश दिए। इस अवसर पर सामाजिक वानिकी रोपणी प्रभारी विष्णु स्वरूप सहित विभागीय स्टाफ उपस्थित रहा।

पौधों की देखरेख पर की गई चर्चा:-सीसीएफ ने पौधों की देखरेख को लेकर विशेष चर्चा की। उन्होंने ने कहा नेपानगर को और हरा भरा नाना है। साथ ही उन्होंने कहा कि बारिश पहले पौधे तैयार कराएं और समय पर उनका परिवहन कराया जाए ताकि बारिश में समय रहते पौधारोपण हो सके। हर साल वन विभाग की ओर से नर्सरियों में पौधे तैयार किए जाते हैं। पौधारोपण भी किया जाता है। इस साल भी काफी संख्या में पौधे तैयार किए जार हैं। सीसीएफने सीवल और नेपानगर नर्सरी में पौधों की स्थिति देखी। साथ ही रतागढ़ में पहुंचकर तेंदुपत्ता संग्रहण का भी निरीक्षण किया।

तीसरी- चौथी लाइन के लिए देखी जमीन :-भुसावल से खंडवा तक तीसरी और चौथी रेलवे लाइन प्रस्तावित है। खंडवा सीसीएफका दौरा विशेष रूप से इसी वजह से था, क्योंकि नेपानगर से सागफाटा के बीच काफी वन क्षेत्र आ रहा हैए जो वन विभाग के आधिपत्य में है। सीसीएफने इस क्षेत्र का रेलवे के अफसरों के साथ विजिट किया। रेलवे स्टेशान के पीछे सागफाटा रोड पर पहुंचकर अफसरों से चर्चा की। इस दौरान डीएफओ विद्याभूषण सिंह, एसडीओ विक्रम सुलिया, नेपानगर रेंजर अभिजीत स्वामी, नावरा रेंजर पुष्पेंद्र जादौन आदि मौजूद थे।

पुरुषोत्तम मास का न करें अपमान, यह सभी महीनों में श्रेष्ठ : चिंतन प्रियदास

स्वामीनारायण मंदिर में अधिक मास के महत्व पर हुए प्रवचन

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। शहर के स्वामीनारायण मंदिर में चल रहे पुरुषोत्तम मास विशेष धार्मिक आयोजन के दौरान व्यास पीठ पर विराजित शास्त्री चिंतन प्रियदास जी ने श्रद्धालुओं को अधिक मास का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि सभी महीनों में पुरुषोत्तम मास सबसे श्रेष्ठ और पुण्यदायी माना गया है। इस मास में किए गए पूजन, जप,तप, दान और सेवा का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है।

कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। शास्त्री चिंतन प्रियदास जी ने कहा कि अधिक मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं, बल्कि आत्मशुद्धिए सेवा और विनम्रता का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र मास में सभी भक्तों को एक.दूसरे के चरण स्पर्श कर सम्मान देना चाहिएए चाहे वह छोटा हो या बड़ा। इससे मन में अहंकार समाप्त होता है और प्रेम एवं सद्भावना बढ़ती है।

उन्होंने कहा कि शास्त्रों में पुरुषोत्तम मास को अत्यंत पुण्यकारी बताया गया है। कथाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति 12 हजार वर्षों तक नदियों में स्नान करे, तो जितना पुण्य प्राप्त होता है, उतना पुण्य पुरुषोत्तम मास में श्रद्धा से एक दिन स्नान करने मात्र से प्राप्त हो सकता है। इसी कारण इस मास को विशेष महत्व दिया गया है।

प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा कि कार्तिक मास को भी अत्यंत पवित्र माना जाता हैए लेकिन शास्त्रों में पुरुषोत्तम मास को उससे भी श्रेष्ठ बताया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अन्य सभी मास भी महान हैं, परंतु पुरुषोत्तम मास भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय होने के कारण विशेष स्थान रखता है। शास्त्री जी ने श्रद्धालुओं को चेताते हुए कहा कि किसी भी संत, महात्मा, धर्मग्रंथ या पुरुषोत्तम मास का अपमान नहीं करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति इस पवित्र मास का अनादर करता हैए उसे उसके दुष्परिणाम अवश्य भोगने पड़ते हैं, चाहे इस जन्म में या अगले जन्म में।

उन्होंने महाभारत प्रसंग का उल्लेख किया कि पांचाली को पांच पतियों की प्राप्ति भी पूर्व जन्म में पुरुषोत्तम मास के अपमान स्वरूप हुई थी। इस प्रसंग के माध्यम से उन्होंने समझाया कि धर्म और पवित्र समय का अनादर व्यक्ति के जीवन में कठिन परिस्थितियां ला सकता है।

कथा के दौरान शास्त्री चिंतन प्रियदास जी ने भगवान शिव की महिमा का भी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सभी देवताओं में भगवान शिव आशुतोष हैं, जो सबसे शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों को फल प्रदान करते हैं। इसलिए पुरुषोत्तम मास में भगवान विष्णु के साथ.साथ भगवान शिव की आराधना भी विशेष फलदायी मानी गई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि पुरुषोत्तम मास में अधिक से अधिक समय भक्ति, सत्संग, दान.पुण्य और सेवा कार्यों में लगाए। समापन पर भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

संत सेवालाल मंदिर निर्माण की समीक्षा

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। जिले में गोर बंजारा सेवा समिति ट्रस्ट की तरफसे खड़कोद के खड़की नदी के पास संत श्री सेवालाल मंदिर का काम चल रहा है। निर्माणाधीन मंदिर में दर्शन हेतु पधारे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएसद्ध के अखिल भारतीय अधिकारी दुर्गादास जी व्यास दर्शन करने के बाद मंदिर निर्माण कार्य की समीक्षा की साथ में घुमंतू कार्य विभाग खंडवा के

सुजान सिंह के साथ:-सभी जिला संयोजक उपस्थित हुए।घुमंतू कार्य के प्रांतीय अधिकारी कैलाश पटेल ने बताया की घुमंतू जनजातियों की धर्म और आस्था को बढ़ाने के लिए एवं अपने संतो की महत्वता को बढ़ाने हेतु संत सेवालाल महाराज मंदिर निर्माण गोर बंजारा समिति द्वारा किया जा रहा है। यह प्रकल्प धर्म आस्था केंद्र के नाम से चल रहा है।

मंदिर निर्माण गुलाबी पत्थर से किया जा रहा जो राजस्थान से आ रहा है। ट्रस्ट अध्यक्ष गजराज राठौड़ ने कहा मंदिर का कार्य प्रारंभिक दौर में है जो सभी समाजसेवी संगठनों एवं हिंदू समाज के सभी धर्म प्रेमी लोगों द्वारा मंदिर निर्माण किया जा रहा है।मंदिर का गर्भगृह का काम चल रहा है जो 3 साल में बनकर तैयार हो जाएगा जिसकी लागत 5 करोड़ से ज्यादा आएंगी।

सांसद पाटील ने एनएचएआई अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

इंदौर-इच्छापुर हाईवे बनेगा विकास की नई जीवनरेखा कनेक्टिविटी होंगी मजबूत

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। खंडवा लोकसभा क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने इंदौर-इच्छापुर राष्ट्रीय राजमार्ग के खातला फाटा से शाहपुर तक निर्माणाधीन मार्ग का राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ विस्तृत निरीक्षण किया। करीब 50 किलोमीटर लंबे मार्ग का निरीक्षण लगभग चार घंटे तक चलाए जिसमें सड़क निर्माण की गुणवत्ता, पुल निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था एवं जनसुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया गया।

प्रगति की समीक्षा की:-निरीक्षण के दौरान सांसद ने खातला फाटाए असीरगढ़ए झीरीए निम्बोला रेलवे ओवर ब्रिजए ताप्ती एवं मोहना नदी पर बन रहे पुलों सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

समस्याओं पर मौके पर लिए निर्णय:-निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के किसानों एवं ग्रामीणों ने सांसद के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। किसानों ने खातला फाटा, निम्बोला रेलवे ओवर ब्रिज के पास, सुखपुरी एवं उमरदा क्षेत्र में सर्विस रोड निर्माण तथा शाहपुर फाटे पर संपर्क मार्ग बनाए जाने की मांग की। वहीं दापोरा क्षेत्र में खेतों में पानी निकासी की समस्या को लेकर भी ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की। सांसद ने अधिकारियों को इन समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण के साथ किसानों और ग्रामीणों की सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाए।

बोलती पहाड़ी फ्लाईओवर का कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश:-निरीक्षण के दौरान सांसद ने असीरगढ़ क्षेत्र में कटी घाटी में बाहर निकले पहाड़ी हिस्से को कम करने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में दुर्घटना की आशंका न रहे। साथ ही असीरगढ़ की बोलती पहाड़ी क्षेत्र में निर्माणाधीन फ्लाईओवर के एक हिस्से को यातायात हेतु शीघ्र प्रारंभ करने को कहा।

हाईवे बनने से जिले को मिलेंगे बड़े लाभ:-सांसद ने कहा कि इंदौर-इच्छापुर राष्ट्रीय राजमार्ग के पूर्ण होने से बुरहानपुर जिले को विकास की नई गति मिलेगी। इस मार्ग से इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर और महाराष्ट्र के बीच आवागमन अधिक सुगम और तेज होगा। उन्होंने कहा कि हाईवे बनने से व्यापार एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। किसानों को कृषि उपज परिवहन में सुविधा मिलेगी। पर्यटन स्थलों पर आवागमन बढ़ेगा जिले में निवेश एवं रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। पेट्रोल एवं समय की बचत होगी। क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होने से आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

एनएचएआई परियोजना संचालक आशुतोष सोनी, अमित गुप्ता, जनप्रतिनिधि-क्षेत्रवासी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस की पहल : जनसहयोग से ग्राम रक्षा समिति के 50 सदस्यों को हेलमेट बांटे

नवभारत न्यूज,

खकनार । ग्रामीण अंचलों में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, अनुशासित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और पुलिस.पब्लिक समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देशानुसार विशेष अभियान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतरसिंह कनेश एवं एसडीओपी निर्भयसिंह अलावा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अभिषेक जाधव के नेतृत्व में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने महसूस किया कि पुलिस का ध्येय चालान काटना नहीं, बल्कि उनके परिवारों की खुशियों और जिंदगी की रक्षा करना है।

मौके पर ही सभी 50 सदस्यों को हेलमेट वितरण कर पुलिस ने यह संदेश दिया कि जनता के सहयोग से ही जन.सुरक्षा संभव है। हेलमेट पाकर सदस्यों के चेहरों पर जहां सुरक्षा का भाव दिखा, वहीं पुलिस के प्रति जनता का विश्वास और सम्मान और अधिक सुदृढ़ हुआ।

इस पूरी मुहिम को सफल बनाने में थाना प्रभारी खकनार अभिषेक जाधव, सहायक उप. निरीक्षक जगदीश मंसुरे, प्रधान आरक्षक सतीश सूर्यवंशी तथा न्यू अपना होंडा शोरूम प्रबंधन का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।

भड़काऊ और आपत्तिजनक कंटेंट से रहें दूर : एसपी

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। पुलिस विभाग द्वारा सभी नागरिकों को सूचित करते हुव कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भड़काऊ, अपमानजनक और धार्मिकध्जातिगत भावनाओं को आहत करने वाली पोस्टों को प्रसारित न करें, ऐसे पोस्ट समाज में तनाव और अशांति का कारण बन सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी की ओर से सभी नागरिकों से अनुरोध है कि सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्टों को न शेयर करें, न लाइक करें और न ही फॉरवर्ड करें। धार्मिक और जातिगत भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाली सामग्री से पूरी तरह बचें।

ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ होगी सख्त वैधानिक कार्रवाई

सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारीपूर्वक करें और समाज में शांति बनाए रखने में सहयोग दें। **कानूनी चेतावनी:**- उक्त प्रकार की गतिविधियों को अंजाम देने वालों के खिलाफ'बीएनएस और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई' की जाएगी। **निगरानी और सुरक्षा:**- पुलिस की सोशल मीडिया सेल लगातार ऐसे भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्टों पर नजर रख रही है। प्रत्येक थाना स्तर पर 'सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल' के माध्यम से क्षेत्र में ऑनलाइन गतिविधियों पर सतत निगरानी की जा रही है। **सहयोग और रिपोर्टिंग:**-यदि आपके संज्ञान में ऐसी कोई पोस्ट या गतिविधि आती है, तो तुरंत नजदीकी थाना में स्थापित

शिविर में खिलाड़ियों का स्वास्थ्य परीक्षण

बुरहानपुर। खेलकूद विकास समिति, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग व् सावित्री बाई फुले शा. कन्या उ.मा. विद्यालय बुरहानपुर में संयुक्त रूप से चल रहे 29 वे ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में अन्य गतिविधियों के अंतर्गत खिलाडियों का स्वास्थ्य परिक्षण कराया गया स उक्त जानकारी देते हुए समिति के सुरेश दलाल एवं सतीश पाटिल ने बताया की डॉ.विशाल सावलानी एवं डॉ.रक्षा सेंगर ने खिलाड़ियों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उचित उपाय बताये। आरम्भ में डॉ विशाल सावालानी का स्वागत समिति के सतीश इंगले एवं डॉ.रक्षा सेंगर का स्वागत कुमारी सूचिका दानेवाले व कुमारी पहेली साल्वी ने किया।

डॉ.रक्षा सेंगर ने स्वास्थ्य परिक्षण करने के बाद अपने विचार रखते हए खिलाडियों से साफ़सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा कि स्वस्थ्य शरीर से ही एक विद्यार्थी उत्कृष्ठ खिलाडी बन सकता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा की स्वस्थ्य रहने के लिए प्रतिदिन अपने शरीर के लिए एक घंटा समय अवश्य निकाले स समिति के नरेन्द्र बनोरिया एवं चंद्रकांत यादव ने बताया की खिलाडियों का पिकनिक टूर 7 जून रविवार को इच्छादेवी मंदिर इच्छापुर जावेगा जिसमे कुछ चुनिन्दा खिलाडी समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य भी शामिल होंगे। पिकनिक टूर के प्रायोजक एवं दानदाता संजय अग्रवाल एमडी टेक्स्मो पाइप्स है पिकनिक टूर में सांस्कृतिक कार्य्रकम एवं खेलकूद प्रतियोगिता में स्वण् प्रमिला बाई एकनाथ बाविस्कर की स्मृति में उनके पुत्र अनिल बाविस्कर द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। संचालन शिविर प्रभारी सुनील गुजराती ने किया एवं आभार प्रदर्शन जगदीश सिंह हजारी ने माना।

एक नजर

ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल ने बदली तस्वीर, मध्यप्रदेश का 5वां जिला बना बुरहानपुर जहां सफल किडनी ऑपरेशन

अब जिंदगी बचाने के लिए महानगरों की ओर नहीं, बुरहानपुर ने रचा पहला सफल किडनी ट्रांसप्लांट का इतिहास

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। निमाड़ की धरती ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐसा इतिहास रचा है, जिसने पूरे मध्यभारत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। बुरहानपुर स्थित ऑल ईज वेल ने अपना पहला सफल किडनी ट्रांसप्लांट कर न केवल एक मासूम बच्चे को नया जीवन दिया है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि अब अत्याधुनिक और जीवनरक्षक चिकित्सा सेवाएं केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहीं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ बुरहानपुर, मध्यप्रदेश का 5वां ऐसा जिला बन गया है जहां सफल किडनी प्रत्यारोपण किया गया है। इससे पहले केवल इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में ही यह सुविधा उपलब्ध थी। अब निमाड़ और खानदेश क्षेत्र के हजारों मरीजों को जीवन बचाने के लिए महानगरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

यह सफलता केवल एक सर्जरी नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, विश्वास, विशेषज्ञता और मानवीय संवेदनाओं की ऐसी कहानी है जिसने एक छोटे शहर को चिकित्सा क्षेत्र के राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल ने किडनी ट्रांसप्लांट कार्यक्रम की दिशा में कदम वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ.अनीता चौकसे के मार्गदर्शन और प्रेरणा से बढ़ाया। उनके विज़न और सतत प्रेरणा ने अस्पताल को इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को शुरू करने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान की।

ग्राम केरपानी, तहसील नेपानगर निवासी मजदूर राजेश काटेकर और आशा कार्यकर्ता श्रीमती रजनी काटेकर के पुत्र प्रांजल की जिंदगी कई महीनों से डायलिसिस मशीनों के सहारे चल रही थी। परिवार ने बुरहानपुर से लेकर नागपुर और वर्धा तक इलाज करवाया, लेकिन आर्थिक और मानसिक संघर्ष लगातार बढ़ता गया। ऐसे कठिन समय में ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल उनके लिए उम्मीद की अंतिम किरण बनकर सामने आया।

सितंबर 2025 में प्रांजल का इलाज ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल में प्रारंभ हुआ, जहां इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ.द्विवेश लाड़ और डायलिसिस विभाग की टीम ने उसकी स्थिति को गंभीरता से समझते हुए नियमित डायलिसिस शुरू करवाई। उसी दौरान हॉस्पिटल किडनी प्रत्यारोपण कार्यक्रम की अनुमति प्राप्त करने की अंतिम प्रक्रिया में था। जब परिवार को पता चला कि अब बुरहानपुर में ही किडनी ट्रांसप्लांट संभव हो सकेगाए तब उनके मन में आशा जगीए लेकिन ट्रांसप्लांट के संभावित खर्च ने उन्हें फिर निराश कर दिया। इसी दौरान हॉस्पिटल की कार्यकारी निदेशक श्रीमती देवांशी चौकसे ने परिवार से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। यही वह क्षण था जब एक परिवार की टूटती उम्मीदों को नया सहारा मिला। इसके बाद नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ.मधुर मणियार,

ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर श्रीमती प्रीति खैरनार एवं विशेषज्ञ टीम के मार्गदर्शन में लगभग तीन महीनों तक डोनर एवं रिसीपिएंट की विस्तृत जांच, काउंसिलिंग और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। सभी जांचों के बाद यह तय हुआ कि प्रांजल की माता श्रीमती रजनी काटेकर अपनी किडनी दान करेंगी।

सोटो मध्यप्रदेश से अनुमति प्राप्त होने के बाद 15 मई 2026 को सुबह 6 बजे ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल और शैलबी हॉस्पिटल इंदौर की संयुक्त विशेषज्ञ सर्जिकल टीम ने यह जटिल प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक संपन्न किया। शैलबी हॉस्पिटल की टीम का नेतृत्व प्रसिद्ध ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ.विनित जैन द्वारा किया गया। लेप्रोस्कोपिक तकनीक से डोनर से किडनी निकालकर प्रांजल में प्रत्यारोपित की गई। ऑपरेशन के बाद डोनर और रिसीपिएंट दोनों स्वस्थ हैं और तेजी से रिकवर कर रहे हैं।

इस ऐतिहासिक सर्जरी में यूरोसर्जन डॉ.प्रशांत खैरनार, डॉ.पृथ्वीराज गोमसाले, नेफ्रोलॉजिस्ट डॉप्रांजल काशिव, डॉ.मधुर मणियार, एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ.हितेषी बैस तथा डॉ.विनित जैन के नेतृत्व में शैलबी हॉस्पिटल इंदौर की विशेषज्ञ टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि केवल एक मेडिकल सफलता नहीं, बल्कि पूरे निमाड़ क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव का संकेत है। जिस क्षेत्र के मरीज कभी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए महानगरों पर निर्भर थे, वहीं अब विश्वस्तरीय ट्रांसप्लांट सेवाएं उपलब्ध होना स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल पूर्व में भी निमाड़ क्षेत्र में कई उन्नत चिकित्सा सेवाओं की शुरुआत करने वाला पहला संस्थान बन चुका है। एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, ओपन हार्ट सर्जरी, वाल्व रिप्लेसमेंट, ब्रेन सर्जरी, कैंसर सर्जरी और कीमोथेरेपी जैसी सेवाओं के बाद अब सफल किडनी ट्रांसप्लांट ने अस्पताल को मध्य भारत के उभरते हुए सुपर स्पेशलिटी एवं ट्रांसप्लांट सेंटर के रूप में स्थापित कर दिया है। एक मासूम बच्चे की मुस्कान के साथ बुरहानपुर ने यह साबित कर दिया है कि अब चिकित्सा के बड़े चमत्कार केवल महानगरों की पहचान नहीं, बल्कि छोटे शहरों की नई ताकत बनते जा रहे हैं।

सात वर्ष के लंबे संघर्ष से मिला जीत का उपहार

फाउंडर एवं चेयरमैन आनंद प्रकाश चौकसे ने बताया कि केवल 7 वर्षों के सफर में ऑल इज वेल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल बुरहानपुर जैसे छोटे शहर में सफल किडनी ट्रांसप्लांट तक पहुंच चुका है। आने वाले 6 महीनों में हम लीवर ट्रांसप्लांट की सेवाएं भी शुरू करने जा रहे हैं और अगले एक वर्ष के भीतर लंग्स एवं हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए भी हमारी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। हम चाहते हैं कि विश्वस्तर पर जो भी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं, वे सब हमारे लोगों को अपने ही शहर में उपलब्ध हों। हमारा लक्ष्य ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल को केवल मध्यभारत ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक विश्वस्तरीय स्वास्थ्य केंद के रूप में स्थापित करना है, जहां इलाज केवल तकनीक से नहीं, बल्कि विश्वास, संवेदनाओं और सेवा भाव से किया जाए। हम मानते हैं कि सपने केवल महानगरों की पहचान नहीं होते। यदि संकल्प मजबूत हो, तो छोटे शहर भी चिकित्सा क्षेत्र में बड़े इतिहास रच सकते हैं।

मैनेजिंग डायरेक्टर कबीर चौकसे ने बताया कि ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल के संस्थापक आनंद सर एवं मंजू मैम के विज़न के साथ इस उद्देश्य से स्थापित किया गया कि बुरहानपुर एवं आसपास के 200 किलोमीटर क्षेत्र के लोगों को उन्नत और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सकें। आज किडनी ट्रांसप्लांट जैसी जटिल चिकित्सा सेवा की सफल शुरुआत इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह उपलब्धि केवल चिकित्सा क्षेत्र में सफलता नहीं, बल्कि उन हजारों मरीजों और परिवारों के लिए नई उम्मीद है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भर रहना पड़ता था। ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल भविष्य में भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओंए समर्पित सेवाओं और जनकल्याण की भावना के साथ समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहेगा।

मेडिकल डायरेक्टर डॉ.अमोल हेडाव के अनुसार बुरहानपुर जैसे छोटे शहर में सफल किडनी ट्रांसप्लांट करना चिकित्सा दृष्टि से अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था, क्योंकि इसके लिए उच्चस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षित विशेषज्ञ टीम, संक्रमण नियंत्रण और अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर सपोर्ट की आवश्यकता होती है। हमें गर्व है कि ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल ने इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए इस जटिल प्रत्यारोपण को सफलतापूर्वक संपन्न कर पूरे निमाड़ क्षेत्र के लिए नई उम्मीद जगाई है।